बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १२ जून, २०११)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००)

सत्संग प्रारंभ

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग - १ : घनश्याम चरित्र - तृतीय संस्करण, जनवरी - २००७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''तुम लोग घनश्याम के पिताजी को गाँव में से बुला लो और उन्हें सारी बात बता दो।'' (६०)
२. ''हमारे बेगुनाह लड़कों को घनश्यामने पीटा है ।'' (८०)
३. ''वह तो सो गया ।'' (६७)

प्र.२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [४]

१. घनश्यामने गिराई हुई आम कौन इकट्ठा करते थे ? (२६)
२. रामदयाल को भगवान होने का पूरा विश्वास हुआ तब प्रभु की उम्र क्या थी ? (६)
३. घनश्याम के बाल उतारने के लिए कोन आया ? (१५)
४. घनश्याम की परीक्षा लेने के लिए धर्मदेव ने चौकी पर कौन - सी तीन चीज़ों को रखा ? (७)

प्र.३ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । [४]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : बन्दरों को मार :- छपिया में घनश्याम कमरे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर रोटियाँ झपट कर पेड़ पर जा बैठा ।

उत्तर : बन्दरों को मार :- अयोध्या में घनश्याम बरामदे में भोजन कर रहे थे, तब एक बन्दर पूड़ी झपट कर पेड़ पर जा बैठा ।

१. **एक साथ अनेक मंदिरों में दर्शन :** इच्छाराम घनश्याम को खोजने के लिए सीधे शिवमंदिर गए, वहाँ रामकथा चलती थी । (२९)
२. **हज़ारों को जिमाया और अभिमान तोड़ा :** घनश्याम ने कहा 'माताजी ! यह चमड़ा, जिस पर साधु महाराज बैठे हैं, मुझे चाहिए।' (५२)
३. **गौरी गाय की खोज में :** कपिला घनश्याम को बहुत ही प्यारी थी । कपिला की दो बछियाँ थीं, एक का नाम था गौरी और एक का नाम था गोमती । (६६)
४. **मछलियों को जीवित किया :** कल घनश्याम ने वेणी, माधव और प्राग को बुलाकर कहा था, 'चलो ! आज हम नारायण सरोवर में स्नान करने चलें ।' (१९)

प्र.४ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी एक प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (विवरण आवश्यक नहीं है ।) [५]

१. कालिदत्त मरण की शरण में (१६) २. हिंसा बन्द करवाई (४३) ३. एकादशी की महिमा (५६)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [८]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. सोलह चिह्न (४१-४२)
   (१) ☐ पद्म (२) ☐ गोपद (३) ☐ शंख (४) ☐ व्योम
२. घनश्याम को जनेऊ दिया (५७-५८)
   (१) ☐ घनश्याम अब आठ वर्ष के हुए थे । (२) ☐ हरिकृष्ण उपाध्यायने मुहूर्त दिया ।
   (३) ☐ अयोध्या का बरहट्टा मुहल्ला सजाया गया । (४) ☐ मामा वशरामभाई
३. घनश्याम ने कान बिंधवाये (८-९)
   (१) ☐ घनश्याम की उम्र अब सात मास की हुई । (२) ☐ अमई नाई
   (३) ☐ इच्छारामभाई इमली के पेड़ पर चढ़े । (४) ☐ मुझे खाने के लिए गुड़ देंगे तभी कान बिंधवाऊँगा ।
४. पत्थर पर पानी में सफ़र (६१-६२)
   (१) ☐ घनश्याम परिवार के साथ अयोध्या से छपैया जाते थे । (२) ☐ रास्ते में गंगा नदी आती है ।
   (३) ☐ यह छोटा सा बालक तो भगवान रामचन्द्र स्वयं हैं । (४) ☐ हमारे लिए अलग नाव हम चाहते हैं ।

प्र.६ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. घनश्याम को घर छोड़कर तपश्चर्या करने के लिए जाने की इच्छा हुई । (७३)
२. राजा गुमानसिंह के आश्चर्य का पार न रहा । (४१)
३. घनश्याम ने सोचा कि अब लक्ष्मीबाई को सबक सिखाना पड़ेगा । (५४)

विभाग - २ : योगीजी महाराज - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००५

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''तुम्हारे इस मंड़ल का काम बहुत ज़ोरों से चलेगा ।'' (३७)
२. ''कृपया कुछ उपदेश दीजिए ।'' (१३)
३. ''सारे दिन केवल भगवान को ही याद किया करता है ।'' (७)

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रारंभ**'' परीक्षा दी है ।

निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ साल ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. सेवा करने में योगीजी महाराज किस की परवाह नहीं करते थे ? (२७)
२. मन्दिर में बालमित्रों को झीणाभाई क्या सिखलाते थे ? (८)
३. गोंडल मन्दिर में योगीजी महाराज को काले साँप ने शरीर में कहाँ दंश दिया ? (३२)
४. योगीजी महाराज को जूनागढ़ के सद्‌गुरु स्वामी नारायणदासजी ने कितनी बार क्या संदेशा भेजा ? (२०, २१)

प्र.९ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**

विषय : प्रथम मिलन (१३)

१. शास्त्रीजी महाराज आठ बजे उठे । **२.** झीणा भगत कृष्णचरण स्वामी की मण्डली में थे । **३.** सद्‌गुरु कृष्णचरण स्वामी अपनी सन्त मण्डली के साथ भावनगर गये । **४.** सं. १९७२ के श्रावण शुक्ला १५ के दिन शास्त्रीजी महाराज का झीणा भगत के साथ मिलन हुआ । **५.** जादवजीभाई ने शास्त्रीजी महाराज से निवेदन किया कि 'कुछ सन्त आपके दर्शन के लिए पधारे हैं ।' **६.** शास्त्रीजी महाराज आजी नदी पर स्नान करने गए । **७.** झीणा भगत राजकोट में जागा भक्त के घर ठहरें । **८.** एक दिन ब्रह्मस्वरूप शास्त्रीजी महाराज राजकोट पधारे । **९.** झीणा भगत और साथी सन्तों ने गुणातीतानन्द स्वामी की प्रासादिक फूलमाला एवं कमण्डलू भेंट में दिया । **१०.** झीणा भगत और सन्तों कृष्णजी अदा के घर पर पहुँचे । **११.** झीणा भगत ने निश्चय किया 'यदि गुरु करें तो इन्हीं को करेंगे !' **१२.** झीणा भगतने शास्त्रीजी महाराज को हार पहनाकर चंदन की अर्चा की।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐
(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१० 'अँधेर खण्ड को उजाला दिया' (४६) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र.११ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. झीणाभगत ने सद्‌गुरु कृष्णचरण स्वामी की प्रसन्नता प्राप्त कर ली । (११, १२)
२. योगीजी महाराज का जीवन हमें सेवाभावी बनने की ओर संकेत करता है । (२५)
३. योगीजी महाराज ने चौहत्तर वर्ष की उम्र में ३८ दिनों तक ८२ गाँवों में विचरण किया । (४२)

विभाग - ३ : किशोर सत्संग प्रारंभ - प्रथम संस्करण, दिसम्बर - १९९५

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. श्रीजीमहाराज के सच्चे शिष्य को कैसा व्यवहार शोभा नहीं देता है ? (४१) २. मुसलमान बाईने दातून किस के लिए रखे थे ? (२६)
३. अजामिल के प्राण लेने आये हुए यमदूत क्यों भाग गये ? (२) ४. शेर को देखकर अखण्डानन्द स्वामी को क्या विचार आया ? (१५)

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. शूरवीर बालभक्त (१०)
(१) ☐ पिता ने स्वामिनारायण नाम लेने का मना किया । (२) ☐ दादाजी ने स्वामिनारायण नाम लेने का मना किया ।
(३) ☐ गाड़ी को ऊपर उठाकर तुझे खतम कर दूँगा । (४) ☐ रथ को ऊपर उठाकर तुझे खतम कर दूँगा ।

२. श्रीजीमहाराज ने अपनी मूर्ति प्रतिष्ठित की । (८)
(१) ☐ अहमदाबाद (२) ☐ गढ़डा (३) ☐ वड़ताल (४) ☐ जूनागढ़

३. नाथ भक्त (४५)
(१) ☐ जो कुछ बचता था, वो महाराज को अर्पण कर देते थे । (२) ☐ पुत्र का नाम प्रभुदास ।
(३) ☐ नाथ भक्त को समाधि लगती थी । (४) ☐ पत्नी स्वधाम गई ।

४. जोधो अहीर (२४ ,२६)
(१) ☐ गाँव था नानी बराई । (२) ☐ जीवुबा, लाडुबा दूध को जला रही हैं ।
(३) ☐ व्रज के गोप-गोवाल जैसी भक्ति । (४) ☐ कोयली, काटुडी और जांबुडी ।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **[४]**

१. समाधि से जाग्रत होने के बाद वासुर खाचर ने किसीको कभी ..... से दण्ड नहीं दिया । (३७)
२. डुंगर भक्त ने ..... साल की उम्र में ही घर छोड़ा था। (३९)
३. सहजानंद स्वामी को हम ..... कहते हैं । (४)
४. श्रीजीमहाराजने सामत पटेल के पास ..... माँगा । (२१)

प्र.१५ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक की अपूर्ण पंक्तियों की पूर्ति कीजिए । **[८]**

१. भाव हृदय में ..... ब्रह्म और परब्रह्म । (५२) २. अथाणां शाक ..... बनावी सारी । (२३, २४)
३. उत्तिष्ठोत्तिष्ठ! हे नाथ ! ..... परं कुरु ॥ (९) ४. हम सभी श्रीजी की संतान ..... मुक्ति के लिए । (शौर्यगीत)

प्र.१६ 'कुछ लोग मन को नचाते .....' (३७) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (प्रंदह पंक्तियाँ)** **[५]**

प्र.१७ 'पूँजा डोडिया' (४२) - **प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए । (लगातार विवरण आवश्यक नहीं है ।)** **[५]**

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १० जुलाई, २०११ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।